सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 276 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 17 नवम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

वो सबसे धनवान है जो कम से कम में संतुष्ट है, क्योंकि संतुष्टि प्रकृति कि दौलत है।

-सुकरात

...तो 2024 होगा मेरा आखिरी चुनाव... 8 | यूपी में समझौते की मेज सजाए... 3 | भाजपा के वादे हवा-हवाई, जनता... 7

अखिलेश-शिवपाल की मुलाकात से यूपी का सियासी पारा गर्म

डिंपल को मिला चाचा शिवपाल का साथ, टेंशन में बीजेपी

» 45 मिनट की मुलाकात आदित्य बोले- परिवार पूरी तरह एकजुट है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में हो रहे उपचुनाव के बीच अखिलेश यादव और शिवपाल यादव की करीब 45 मिनट हुई मुलाकात से यूपी का सियासी पारा गर्म हो गया है। आज अचानक सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और मैनपुरी से प्रत्याशी डिंपल यादव सुबह 11 बजे शिवपाल यादव के घर जा पहुंचे और उपचुनाव को लेकर लंबी चर्चा की। इसके थोड़ी देर बाद शिवपाल के बेटे आदित्य यादव ने कहा कि परिवार एक है और डिंपल भाभी की जीत पक्की है।

शिवपाल ने अभी फिलहाल कोई बयान नहीं दिया। जबकि अखिलेश ने ट्वीट कर दिया कि नेताजी और घर के बड़ों के साथ-साथ मैनपुरी की जनता का आशीर्वाद साथ है। अखिलेश के साथ धर्मेंद्र यादव भी थे। डिंपल ने चाची सरला यादव से भी मुलाकात की। इस घटनाक्रम के बाद से बीजेपी टेंशन में आ गई है। उनके नेता बयानबाजी भी करने लगे हैं। बता दें कि सपा संस्थापक तथा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के कारण खाली मैनपुरी लोकसभा सीट पर पांच दिसंबर को होने वाले लोकसभा के उपचुनाव को समाजवादी पार्टी ने अपनी नाक का सवाल बना लिया है। मैनपुरी को समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है और इस सीट को बचाने के लिए पार्टी ने पूर्व सांसद डिंपल यादव को चुनाव के मैदान में उतारा है। उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी से दो बार लोकसभा सदस्य रहे रघुराज सिंह शाक्य को मैदान में उतारा है।

गुप्त बैठक में किसी को नहीं मिला प्रवेश

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सैफई में अपने चाचा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव से उनके आवास पर मिलने पहुंचे। अखिलेश यादव के साथ मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव और पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव भी शिवपाल सिंह यादव से मिलने उनके आवास पर पहुंचे थे। इस दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी को भी घर में प्रवेश नहीं मिला।

कल बोले थे शिवपाल

बहू डिंपल के लिए करो वोट

मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव के बीच समाजवादी पार्टी के लिए शिवपाल सिंह यादव की ओर से आशंकाओं के बादल छटते नजर आ रहे हैं। दरअसल, बुधवार को सैफई में शिवपाल सिंह की कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग हुई। बैठक संपन्न होने के बाद पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि शिवपाल सिंह यादव ने डिंपल का समर्थन किया है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा- 'शिवपाल सिंह का आदेश है कि बहू डिंपल के लिए वोट करो, वो हमारी बहू है उसके लिए लगना है। इससे पहले तेज प्रताप यादव ने कहा कि पूरा परिवार एकजुट है, वो स्टार प्रचारक है। कहीं किसी तरह की कोई बात नहीं है।

चुनाव के समय चाचा याद आए : सिद्धार्थनाथ

भाजपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने अखिलेश और शिवपाल की मुलाकात पर कहा कि मैनपुरी ही नहीं, भाजपा तीनों सीटें उपचुनाव में जीतेगी। सपा को चुनाव के समय चाचा याद आए। जबकि पहले शिवपाल की उपेक्षा की जा रही थी। उन्होंने कहा कि जनता बुलडोजर नीति से खुश है। चाचा के साथ होने से बीजेपी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

ईडी दफ्तर पहुंचे झारखंड के सीएम

» 500 से अधिक जवान तैनात, आसपास निषेधाज्ञा लागू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर अवैध खनन सहित विभिन्न मामलों में मनी लांड्रिंग के तहत अनुसंधान के लिए ईडी ने समन जारी किया है। सीएम हेमंत सोरेन आज ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय रांची पहुंच चुके हैं। संभावना जताई जा रही थी कि मुख्यमंत्री सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे तक ईडी के दफ्तर में पहुंच जाएंगे। लेकिन हेमंत सोरेन मीडिया को संबोधित करने के एक बजे बाद ईडी कार्यालय पहुंच चुके हैं।

सीएम हेमंत सोरेन के साथ में उनके भाई विधायक बसंत सोरेन और प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू भी मौजूद थे। हालांकि भाई बसंत सोरेन और प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद पिंटू को गेट से भीतर नहीं घुसने दिया गया। ईडी कार्यालय के बाहर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए जब उनसे पूछा गया कि झारखंड के अगले मुख्यमंत्री कौन होंगे। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगले सीएम तो हेमंत सोरेन ही होंगे। उन्होंने कहा कि ईडी हमें परेशान नहीं कर सकती। जांच में सहयोग करना कर्तव्य है।

उपचुनाव में कैबिनेट मंत्रियों को भी मोर्चे पर लगाएगी भाजपा

» सभा का कार्यक्रम तय मंत्रियों को काम बांटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी बेहद गंभीर है। भाजपा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य तथा ब्रजेश पाठक की तीनों चुनाव क्षेत्र में लगातार सभा का कार्यक्रम तय करने के साथ ही अब कैबिनेट मंत्रियों को भी काम बांट दिया है।

योगी सरकार के मंत्री मैनपुरी के साथ रामपुर और खतौली में भी प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही साथ सरकार की उपलब्धियों को विधानसभा क्षेत्र में सभी के सामने रखेंगे। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश संगठन ने मंत्रियों को भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए वहां के हर विधानसभा क्षेत्र में प्रचार करने के लिए मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। कैबिनेट मंत्री समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में आने वाले कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के साथ स्वतंत्र प्रभार के मंत्री असीम अरुण और मंत्री अजीत पाल को मैनपुरी की जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ ठाकुर जयवीर सिंह, प्रतिभा शुक्ला तथा संदीप सिंह भी हर क्षेत्र का दौरा कर भाजपा के प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के पक्ष में माहौल बनाएंगे। समाजवादी पार्टी ने यहां से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया है।

मुलायम सिंह के सम्मान में नहीं करते थे प्रचार : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम बोले- हम किसी की नाराजगी का फायदा नहीं उठाते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा सीट पर बीजेपी के प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य का नामांकन भरवाने जाते समय डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कमल खिलने का युग आ गया है और साइकिल को जनता ने पंचकर कर दिया है। यहां 5 दिसंबर को चुनाव कराया जाना है। यहां रघुराज सिंह शाक्य का मुकाबला सपा की डिंपल यादव से है। केशव प्रसाद ने कहा कि आजमगढ़ में कमल खिल चुका है, रामपुर में कमल खिल चुका है, गोला उपचुनाव में कमल खिल चुका है, मैनपुरी उप चुनाव में कमल खिलेगा, रामपुर विधान सभा उप चुनाव में कमल खिलेगा।

ये कमल खिलने का युग आ गया है, साइकिल को जनता ने पंचर पर दिया है। जब उनसे पूछा गया कि अभी तक मैनपुरी लोकसभा में बीजेपी नहीं जीत पाई है तो उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव जी का हमारा नेतृत्व भी सम्मान करता था। पार्टी भी सम्मान करती थी, इसलिए उनके खिलाफ प्रचार नहीं करते थे। शिवपाल यादव और अखिलेश के बीच नाराजगी का बीजेपी को फायदा मिलने के प्रश्न पर कहा कि हम किसी की नाराजगी का फायदा नहीं उठाते, हम तो लोगों की सेवा करने का

अवसर मांग रहे हैं और निश्चित तौर से रघुराज शाक्य जीतेंगे। फिरोजाबाद, बदायू, आजमगढ़ और रामपुर जिसे समाजवादी पार्टी अपना गढ़ समझती थी वो अब कमल के फूल का गढ़ है। शिवपाल यादव का सहयोग लेने के जवाब में उन्होंने कहा कि जो भी सहयोग करेगा उसका सबका स्वागत है। कमल खिलाने के लिये लोग तैयार हैं।

कांग्रेस परिवारवाद की पार्टी है : दिनेश शर्मा

लखनऊ। उन्नाव के रामलीला मैदान में सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा सात दिवसीय भागवत कथा कराई जा रही हैं। संत देवकीनंदन महाराज भागवत कथा को सुना रहे हैं। चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा पहुंचे। व्यास पीठ को नमन कर देश व प्रदेश जनता के मंगल कल्याण की कामना की। भागवत कथा आयोजक विधायक पंकज गुप्ता ने दिनेश शर्मा को प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर दिनेश शर्मा ने कहा कि समाज में एकता का संदेश कथा के माध्यम से दिया जाता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने में यह कथाएं आगे ले जाती है। दिनेश शर्मा ने मैनपुरी उप चुनाव में डिंपल यादव के प्रत्याशी बनाए जाने पर कहा कि सपा परिवार वादी पार्टी है। इनके पास चाचा- भतीजा, बहू-बेटे, नाती- पोते ही है। कांग्रेस के पास सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के अलावा 2 जी है। बसपा के पास भाई-भतीजा है। दिनेश शर्मा ने कहा कि सपा, बसपा व कांग्रेस परिवार वादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि देश मे दो राजनीतिक संत है। एक सीएम योगी तो दूसरे देश को सबकुछ समर्पित करने वाले पीएम मोदी है। उन्होंने कहा कि आज हमारी सीमाएं सुरक्षित है। देश में विकास हो रहा है। हमारी मुद्रा स्फीति दर स्थिर है। अमेरिका, जापान, रसिया, जर्मनी आदि देश आर्थिक अवनति की ओर जा रहे हैं। हमारा देश भविष्य में आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

गुजरात में स्टार प्रचारकों की सूची से शशि थरूर गायब

» शामिल नहीं होने पर कहा- कांग्रेस जानती है उसके लिए कौन है अच्छा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर को पार्टी का छात्र संगठन एनएसयूआई ने उन्हें गुजरात में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में उनको शामिल नहीं करने के कारण उन्होंने कायक्रम को संबोधित करने से मना कर दिया था।

मालूम हो कि थरूर का नाम पार्टी की ओर से जारी 40 स्टार प्रचारकों की सूची शामिल नहीं किया गया है। कांग्रेस की सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। सूची में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, केरल में सीएलपी नेता रमेश चेन्नीथला, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, भूपिंदर सिंह हुड्डा और अशोक चव्हाण शामिल हैं। थरूर ने इस सवाल पर कहा कि कांग्रेस जानती है कि उसके लिए सबसे अच्छा कौन है या क्या है, इसलिए निराशा का कोई सवाल ही नहीं उठता है। मालूम हो कि इससे पहले थरूर साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पार्टी के लिए प्रचार कर चुके हैं। उन्होंने साल 2011, 2016 और 2021 में केरल विधानसभा चुनावों में भी प्रचार किया था। हाल ही में उन्होंने नोएडा उपचुनाव में पंखुड़ी पाठक के लिए पार्टी की ओर से चुनाव प्रचार किया था।

कांग्रेस में राजस्थान को लेकर उठापटक तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा के जरिये कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भले ही देशभर में एकजुटता का संदेश पहुंचाने में लगे हैं, लेकिन पार्टी के भीतर राजस्थान को लेकर चल रही खींचतान को वह शांत करने में नाकाम रहे हैं। पार्टी के भीतर राजस्थान को लेकर एक बार फिर उठापटक तेज हो गई है। राजस्थान के प्रभारी और एआइसीसी के महासचिव अजय माकन ने अपने पद से यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया है कि जब आलाकमान के निर्देश की अवहेलना के मामले में जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, तो नैतिक आधार पर उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। उनके इस फैसले को दबाव की राजनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। खास बात यह है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता माकन ने अपना यह इस्तीफा ऐसे समय दिया है, जब पार्टी राजस्थान के मामले पर लगभग शांत बैठ गई थी। साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अपने कामकाज में पहले जैसे जुट गए थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, माकन की इस मामले में नाराजगी तब और बढ़ गई जब अनुशासनात्मक कार्रवाई की जगह पार्टी के उन नेताओं को भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ी अहम जिम्मेदारी दी जा रही थीं।

बिहार में बीजेपी के सैकड़ों नेता आरजेडी के संपर्क में

» कई नेताओं ने छोड़ा साथ भाजपा से बचने की दे रहे सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। संगठन जिला ढाका के मंडल पताही के सैकड़ों नेताओं ने बीजेपी को पार्टी छोड़कर आरजेडी का दामन थाम लिया है। बीजेपी मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार चौहान, उपाध्यक्ष रामेश्वर ठाकुर, महामंत्री कुमोद पांडेय, तिरहुत प्रमंडल सैनिक प्रकोष्ठ प्रभारी चंचल कुमार सिंह, जिला कार्यसमिति सदस्य मणिकांत तिवारी समेत पताही मंडल के सभी प्रकोष्ठ के सैकड़ों नेताओं ने आरजेडी के जिला कार्यालय में पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कहा जा रहा है कि अशोक कुमार चौहान 1990 से अब तक बीजेपी के

साथ बने रहे लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के शोषण से तंग आकर बुधवार को आरजेडी के जिला कार्यालय में जाकर सदस्यता ली। उनके साथ और लोगों ने भी सदस्यता ली। पूर्व विधायक प्रत्याशी अच्छेलाल यादव ने बताया कि सैकड़ों की संख्या में बीजेपी के नेताओं ने पार्टी ज्वाइन किया है। उनका पार्टी में तहे दिल से स्वागत है। वहीं आरजेडी के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के कार्य से प्रभावित होकर सैकड़ों लोगों ने बीजेपी को छोड़ आरजेडी ज्वाइन किया है। बीजेपी संगठन जिला ढाका के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने बताया कि 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी कार्य के लिए दर्जनों लोगों को चिह्नित कर प्रदेश कमेटी को भेजा गया था। कार्रवाई के भय से लोगों ने पार्टी छोड़ी है और वे जाकर आरजेडी में शामिल हो गए हैं।

पैसों की ताकत पर बनते एमपी-एमएलए : पप्पू यादव

पटना। नवादा में जाप सुप्रीमो पप्पू यादव नवादा पहुंचे। वहां उन्होंने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला, कहा कि बिहार में लगातार कर्ज में डूबे परिवार के लोग आत्महत्या कर रहे। ये खुदकुशी नहीं हत्या है। उन्होंने कहा कि निर्मया हत्या से पूरा देश हिल गया था। देश की सरकार बदल गई थी, लेकिन बिहार में लगातार हत्याएं हो रही इसपर कोई ध्यान नहीं दे रहा। नवादा में पैसों की ताकत पर एमपी और एमएलए बन जाते। मुख्यमंत्री फंड में बड़े-बड़े माफिया करोड़ों रुपये देते, लेकिन गरीबों को कोई नहीं देखता है। उन्होंने कहा कि निर्मया हत्याकांड में पूरे देश हिल गया था और देश की सरकार बदल गई थी, लेकिन बिहार में लगातार हत्याएं हो रही जिस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। भागलपुर बम ब्लास्ट में देश के पीएम ने भी ट्वीट किया था और बिहार के सीएम ने भी ट्वीट किया था, लेकिन छह लोगों की एक साथ हत्या पर किसी का ट्वीट सामने नहीं आया. पप्पू यादव ने कहा कि गिट्टी और पहाड़ माफिया को पनाह बिहार के सरकार दे रही है। नवादा में पैसे के बदौलत एमपी एमएलए की पद लोगों को मिलती है। उन्होंने कहा कि अगर सहारा पैसा नहीं चुकाएगी तो लाखों लाख लोग इसी तरह आत्महत्या करेंगे।

हल्द्वानी में शिफ्ट होगा नैनीताल हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

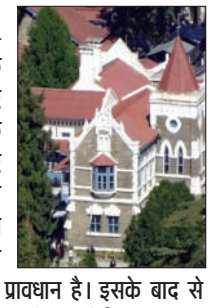

देहरादून। उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में जबरन धर्मांतरण पर लगाम कसने के लिए बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में धर्मांतरण कानून में सख्त संशोधन किए गए हैं, जिसके तहत अब से जबरन धर्म परिवर्तन संज्ञेय अपराध होगा। इसके तहत सजा का भी प्रावधान किया गया है। नए कानून में जबरन धर्मांतरण कराने पर 10 साल की सजा का प्रावधान है। इसके बाद से धर्मांतरण और 'लव जिहाद' जैसे मामलों पर रोक लगेगी। उत्तराखंड सरकार की बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में 29 प्रस्ताव लाए गए, जिसके तहत अब उत्तराखंड में धर्मांतरण कानून उत्तर प्रदेश से भी ज्यादा सख्त कर दिया गया है। प्रदेश में जबरन धर्मांतरण को संज्ञेय अपराध में शामिल किया गया है, जिसके तहत अधिकतम 10 साल तक की सजा का प्रावधान होगा। कैबिनेट में इस पर मुहर लग गई है, जल्द ही ये विधेयक विधानसभा में लाया जाएगा। इस अलावा कैबिनेट ने इस बात पर भी मुहर लगाई कि नैनीताल हाईकोर्ट हल्द्वानी में शिफ्ट किया जाएगा।

यूपी में समझौते की मेज सजाए रखना चाहती है कांग्रेस!

उपचुनाव से कांग्रेस का किनारा, फिर सपा की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ

» मैनपुरी और रामपुर में प्रत्याशी न उतार दिए 24 में गठबंधन के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन के निराशाजनक परिणाम से हताश सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बेशक दो टूक कहा हो कि अब वह किसी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन शायद कांग्रेस समझौते की मेज सजाए रखना चाहती है। हाल ही में छह राज्यों की सात सीटों पर उपचुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने यूपी में यह कहते हुए तीन सीटों के उपचुनाव से किनारा किया है कि वह समय बर्बाद नहीं करना चाहती।

मगर, खास तौर पर सपा की प्रतिष्ठा से जुड़ी मैनपुरी लोकसभा और रामपुर विधानसभा सीट पर अपना प्रत्याशी न उतारकर एक तरह से सपा की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। माना जा रहा है कि सुलह का यह अघोषित प्रस्ताव आगामी लोकसभा चुनाव के लिए हो। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद जैसे ही मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा हुई तो यह चर्चा भी शुरू हो गई थी कि मुलायम सिंह के सम्मान में इस सीट से अपना प्रत्याशी न उतारने

वाली कांग्रेस का रुख अब क्या होगा? माना जा रहा था कि जिस तरह से अखिलेश यादव ने 2017 के विधानसभा चुनाव के निराशाजनक परिणाम के बाद कांग्रेस को बोझ बताते हुए अलग किया था, अब कांग्रेस मैनपुरी में सपा के खिलाफ उपचुनाव में ताल जरूर ठोंकेगी। मगर, कांग्रेस नेतृत्व ने निर्णय किया है कि वह मैनपुरी में अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। सिर्फ मामला मैनपुरी का होता तो यह माना जा सकता था कि कांग्रेस नेतृत्व डिंपल यादव के खिलाफ भी प्रत्याशी शायद दिवंगत मुलायम सिंह के सम्मान में नहीं उतार रही, लेकिन चौंकाता है कि सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की सदस्यता रद होने से रिक्त हुई रामपुर विधानसभा सीट पर भी प्रत्याशी उतारने से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी इन्कार कर चुके हैं, जबकि जिला स्तर से कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व को प्रस्ताव भेजा है कि उपचुनाव लड़ा जाए।

चुनौतियों को भी भांप रही कांग्रेस

सिर्फ भविष्य की रणनीति ही नहीं, कुछ लोग मान रहे हैं कि कांग्रेस वर्तमान चुनौतियों से भी वाकिफ है। दरअसल, हाल ही में छह राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिशा की सात सीटों पर उपचुनाव हुए हैं, जहां कांग्रेस का परिणाम शून्य रहा। वह मुट्ठी की दो सीटें भी गंवा बैठी। इधर, 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी 403 में से मात्र दो ही सीटें जीत सकी। उपचुनाव के परिणामों की समीक्षा भी कोई राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जोड़कर न करे, इसलिए उपचुनाव से दूरी एक वजह हो सकती है।

2024 में दोनों दलों के गठबंधन की संभावनाएं बढ़ीं

इसी तरह भाजपा विधायक विक्रम सैनी की सदस्यता रद होने से खाली हुई मुजफ्फरनगर की खतौली सीट पर भी अभी तक कांग्रेस ने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। यहां सपा के साथ गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल से भाजपा का मुकाबला होना है। इससे पहले आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के खिलाफ कांग्रेस नहीं लड़ी। गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट का उपचुनाव भी नहीं लड़ी। यह रुख संकेत दे रहा है कि उसका सपा के प्रति नरम रख है, जो कि 2024 में दोनों दलों के गठबंधन की संभावनाएं बढ़ा सकता है।

यूपी उपचुनाव से हाथ-हाथी दोनों दूर-दूर

उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव से कांग्रेस पार्टी ने दूरी बनाने का फैसला लिया है। कांग्रेस पार्टी मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के साथ खतौली और रामपुर विधानसभा उपचुनाव में अपने प्रत्याशियों को नहीं उतारेगी। कांग्रेस का कहना है कि वो फिलहाल अपने संगठन को मजबूत बनाकर निकाय चुनाव पर फोकस कर रही है। वहीं कांग्रेस के साथ बहुजन समाज पार्टी भी उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। ऐसे में समाजवादी पार्टी और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला होने जा रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने कई संगठनात्मक बदलाव किए हैं। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले ही अपने प्रदेशाध्यक्ष और प्रांतीय अध्यक्षों की घोषणा की है। कांग्रेस ने यूपी में दलित चेहरे बृजलाल खाबरी को पार्टी की कमान सौंपी है, जिसके बाद से कांग्रेस लगातार अपने संगठन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हैं। ऐसे में कांग्रेस यूपी नगर निकाय चुनाव की तैयारी कर रही है। इससे पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बृजलाल खाबरी भी कह चुके हैं कि अगर कांग्रेस उपचुनाव में जाती है तो उनका एक महीने का समय खराब हो जाएगा। कांग्रेस के अलावा बसपा भी उपचुनाव नहीं लड़ेगी, जाहिर है ऐसे में सपा व बीजेपी के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी।

निकाय चुनाव में सिंबल पर चुनाव लड़ेगी भाजपा

वार्डों में लड़ने वाले प्रत्याशियों को भाजपा अपना सिंबल देगी

» भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- भाजपा किसानों की नाराजगी खत्म करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार ने नए उद्योगों और चीनी मिलों को स्थापित किया है। भाजपा युवाओं के लिए भी अच्छा सोच रही है। हमारी प्राथमिकता मिलों को चलाना है और ना की उनको को बंद करना। किसानों का गन्ना भुगतान भी जल्द हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव में सिंबल पर चुनाव लड़ेगी। वार्डों में लड़ने वाले प्रत्याशियों को भाजपा अपना सिंबल देगी। इस बार चुनाव में भाजपा पूरी तरह की से जीत हासिल करेगी। 17 नगर निगम और 200 नगर पालिका में अपना झंडा फिर आएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने जनता के हित में अनेक कार्य किए हैं। हम सर्व समाज को साथ लेकर चलते हैं और सब की बात करते हैं, जबकि विपक्षी दल नफरत की राजनीति करते हैं।

मोदी और योगी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के तमाम योजनाओं का लाभ हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाया है। इसी के आधार पर आज हम जनता के बीच है। जल्द ही गन्ने का मूल्य भी तय हो जाएगा। भूपेंद्र सिंह ने खतौली से मदन भैया के टिकट की घोषणा पर कटाक्ष करते हुए कहा वह अच्छा आदमी है। उसका मूल्याकंन करना चाहिए। जयंत चौधरी ने बहुत बड़े घर में जन्म लिया है। लेकिन मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं जाट समुदाय में पैदा हुआ हूं। मैं बीजेपी का नया कार्यकर्ता नहीं हूं। 1996 में मुरादाबाद जिले का जिलाध्यक्ष बन गया था और 1995 में महामंत्री। एक होमगार्ड डीआई, आईजी और डीजीपी बन सकता है। यह भाजपा में ही संभव है। आप मुझे देख सकते हैं।

लोकसभा से पहले उपचुनाव में मजबूत होगी भाजपा

भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यूपी में तीन सीटों यानी दो विधानसभा खतौली और रामपुर और एक लोकसभा मैनपुरी सीट पर उपचुनाव होने हैं। वहीं दो माह बाद निकाय चुनाव होने हैं। डबल इंजन की सरकार द्वारा जो भी कार्य कराए गए है। उनको लेकर जनता के बीच जाएंगे और अपने को मजबूत करेंगे। अगले माह 17 नगर निगम, 200 नगर पालिकाओं और करीब 550 नगर पंचायतों में चुनाव होंगे। मतदाता सूची जारी के बाद आरक्षण तय किया जाएगा। 15 से 20 दिसंबर के बीच में निकाय चुनाव संपन्न हो जाएंगे। लोकसभा से पहले यह सबसे बड़ा चुनाव है। यूपी में 25 फीसदी आबादी निकाय चुनाव में प्रतिभाग करेगी।

2017 में दो निगम सीट हार गई थी भाजपा

प्रदेशाध्यक्ष ने कहा यूपी में 2017 में 16 नगर निगम थे, जिसमें से भाजपा दो नगर निगम मेरठ और अलीगढ़ की सीट हार गई थी, जबकि 14 नगर निगम में भाजपा ने अपना झंडा फहराया था। चुनाव से पहले संगठात्मक और पार्टी स्तर से जो कार्य करने हैं या कराने हैं, उसका होमवर्क हमने कर लिया है। यूपी में शाहजहांपुर नगर निगम नया बना है। इस बार 17 नगर निगम का चुनाव होगा। इस बार सभी नगर निगम पर भाजपा अपना परचम फहराएगी। 2017 में 200 में से 72 नगर पालिकाओं में भाजपा ने जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार निकाय चुनाव भाजपा मजबूती से लड़ने जा रहा है। सभी निकाय चुनाव में भाजपा इस बार अपना सिंबल देगी और चुनाव लड़ाएगी।

सभी वार्डों में भाजपा उतारेगी अपना प्रत्याशी

चौ. भूपेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा किसी जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। संगठन और पार्टी की चुनाव को लेकर पूरी तैयारी है। हमारा संकल्प है, 'सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास।' केंद्र और राज्य की जो भी योजना चल रही है। उसमें किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। भाजपा सबको साथ लेकर चलने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। निकाय चुनाव में सभी वर्गों की भागेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे। प्रत्येक वार्ड में अपनी पार्टी के प्रत्याशी को उतारा जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जी-20 की अध्यक्षता करना भारत के लिए होगी गौरव की बात

जी-20 की अध्यक्षता करना भारत के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व नेता के रूप में उभर रही स्थितियों के कारण ही एक बड़ा अवसर देश को प्राप्त हो रहा है। जी-20 ऐसे देशों का समूह है जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 75 प्रतिशत जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत अब इस जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित ही यह भारत के लिये एक नये सूरज के अभ्युदय का संकेत है।

जी-20 की अध्यक्षता करना भारत के लिए गौरव की बात है। भारत के लिए आने वाले एक दिसंबर एक ऐतिहासिक अवसर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व नेता के रूप में उभर रही स्थितियों के कारण ही एक बड़ा अवसर देश को प्राप्त हो रहा है। जी-20 ऐसे देशों का समूह है जिनका आर्थिक सामर्थ्य विश्व की 75 प्रतिशत जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है। भारत अब इस जी-20 समूह का नेतृत्व करने जा रहा है, इसकी अध्यक्षता करने जा रहा है। निश्चित ही यह भारत के लिये एक नये सूरज के अभ्युदय का संकेत है। मोदी ने भारत की अध्यक्षता के शुभंकर और वेबसाइट का अनावरण करते हुए दुनिया को शांति के मार्ग पर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराया है। समूची दुनिया को सुखी होने का मार्ग दिखाते हुए भारत स्वयं भी उस मार्ग पर अग्रसर होगा, इसके लिये मोदी का नेतृत्व निश्चित ही नवीन दिशाओं को उद्घाटित करेगा। भारत विश्व में आर्थिक रूप से शक्तिशाली 20 देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता काल में गौतम बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी के युद्ध से मुक्ति एवं हिंसा के प्रतिरोध सिद्धांत के साथ विश्व को शांति, समाधान एवं समृद्धि की राह दिखाएगा।

मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदेश मंत्रालय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जी-20 के नये प्रतीक चिन्ह एवं नारे का लोकार्पण किया और कहा कि 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का नारा भारत के संस्कारों एवं संस्कृति से विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। नये प्रतीक चिन्ह के कमल के पुष्प पर विराजित पृथ्वी एवं कमल की सात पंखुड़ियों के माध्यम से सातों महाद्वीपों की एकजुटता और सौहार्द से समृद्धि एवं प्रगति का संदेश मिलता है। भारत जी-20 नेतृत्व में निश्चित ही दुनिया को नयी दिशा एवं दृष्टि देगा। जी-20 के इस अंतर सरकारी मंच में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं। भारत देशभर में विभिन्न स्थानों पर 32 विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 200 बैठकें आयोजित करेगा। अगले साल होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन, भारत द्वारा आयोजित किया जाने वाले शीर्ष स्तर के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक अनूठा एवं विलक्षण होगा। इस सम्मेलन से दुनिया की नजरें भारत पर टिकेगी। दुनिया अब उम्मीद कर रही है कि अगर कोई देश उसे आर्थिक संकटों में जाने से बचा सकता है तो वह सिर्फ भारत ही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ती आबादी से कैसे सधेगा संतुलन

वीर सिंह

जनसंख्या बढ़ोत्तरी और खाद्योत्पादन की चिंता साथ-साथ चलती है। आज 15 नवंबर को जब संयुक्त राष्ट्र की गणना के मुताबिक, दुनिया की जनसंख्या आठ अरब हो रही है, तो माल्थस के बहुचर्चित सिद्धांत की अनुगूंज सुनाई पड़ रही है। जनसंख्या और खाद्योत्पादन के संबंधों का जो दर्शन कभी माल्थस ने दिया था, वह लगभग सवा 200 वर्ष बाद यथार्थ रूप लेता प्रतीत हो रहा है। एक शताब्दी से अधिक समय तक कठोर आलोचनाओं का दंश और व्यंग्य बाण झेलते माल्थस का सिद्धांत अब दुनिया के सामने सीना ताने खड़ा है। थॉमस रॉबर्ट माल्थस (1766-1834) कभी अपने देश, इंग्लैंड की जनसंख्या वृद्धि से चिंतित थे। वर्ष 1798 में उन्होंने, जनसंख्या का सिद्धांत विषयक एक निबंध लिखा। उन्होंने 1803 में अपने निष्कर्षों को फिर से संशोधित किया। माल्थस को पूर्वाभास था कि उस समय इंग्लैंड एक आपदा की ओर बढ़ रहा है और, इसलिए, वह चाहते थे कि शासक उस अत्यंत महत्वपूर्ण समस्या से परिचित हों। माल्थुसियन सिद्धांत है क्या? यह बहुत दिलचस्प है, क्योंकि यह भोजन और बढ़ती मानव आबादी के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित करता है।

एक वाक्य में कहें तो यह है घातीय जनसंख्या वृद्धि और अंकगणितीय खाद्य आपूर्ति वृद्धि का सिद्धांत। माल्थस के अपने शब्दों में प्राकृतिक रूप में मानव खाद्य का उत्पादन धीमे अंकगणितीय अनुपात में बढ़ता है और जनसंख्या एक त्वरित ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है, जब तक कि उसे रोका न जाए। माल्थस की चेतावनी थी कि जनसंख्या में निरंतर वृद्धि उस स्तर पर पहुंच जाएगी, जहां खाद्य आपूर्ति आबादी को पोषित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। माना जाता है कि मानव आबादी हर 25 साल में दोगुनी हो जाती है। जनसंख्या की वृद्धि भोजन की अबाध उपलब्धि का ही परिणाम है तथा खाद्य उत्पादन ह्रासमान प्रतिफल के नियम (लॉ ऑफ डिमिनिशिंग रिटर्न) के अधीन है। इन दो पहलुओं के आधार पर माल्थस ने अनुमान लगाया कि मानव आबादी खाद्य आपूर्ति से आगे निकल जाएगी। क्या होगा यदि किसी देश की मानव संख्या खाद्य उत्पादन के स्तर से अधिक हो जाए? माल्थस का तर्क है कि बहुत से लोग भोजन की अनुपलब्धता से मरेंगे। जनसंख्या वृद्धि पर एक ठोस राष्ट्रीय नीति बनाकर तथा उसको कानूनी रूप देकर उसका कठोरता से अनुपालन नहीं किया गया तो, जनसंख्या नियंत्रण का प्राकृतिक रूप उभर कर सामने आएगा, जो बहुत ही भयावह होगा। माल्थस का मानना था कि जो सकारात्मक या प्राकृतिक नियंत्रण जनसंख्या-खाद्योत्पादन असंतुलन को पुन: संतुलन में ला देंगे, वे हैं अकाल, बीमारी और युद्ध। 19 वीं और 20 वीं सदी में माल्थस के

जनसंख्या सिद्धांत की व्यापक रूप से आलोचना की गई। आलोचना का हॉटस्पॉट रहा यूरोप, जहां खाद्योत्पादन की दर जनसंख्या वृद्धि से निरंतर आगे रही। जिन देशों को अर्थशास्त्री बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में तीसरी दुनिया कहकर संबोधित करते रहे, उसके कई देश कृषि की नई तकनीकों के आगमन से खाद्योत्पादन में प्रथम दुनिया के समकक्ष आ गए। भारत उनमें से एक रहा है। माल्थस की आलोचना इसलिए भी की जाती है कि उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास के नए क्षेत्रों पर ध्यान नहीं दिया, जैसे कृषि योग्य भूमि का विस्तार, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी, परिवहन और संचार के साधन, देशों के बीच खुला व्यापार, आदि जो अकाल और भुखमरी जैसी किसी भी स्थिति से बचने में सहायक होंगे। माल्थुसियन सिद्धांत बढ़ती जन्म दर को जनसंख्या वृद्धि का एकमात्र कारण मानता है। वास्तविकता का दूसरा पक्ष यह है कि घटती मृत्यु दर और लोगों के जीवन काल में वृद्धि भी जनसंख्या के आकार के प्रमुख कारण हैं। माल्थस ने यह नहीं सोचा था कि चिकित्सा विज्ञान में शानदार उपलब्धियों से घातक बीमारियों का इलाज और नियंत्रण हो सकता है और लोगों के जीवन काल में काफी वृद्धि हो सकती है, जिससे जनसंख्या वृद्धि की तीव्र दर बढ़ सकती है। हालांकि उनका सिद्धांत इंग्लैंड के लिए अपनी वैधता सिद्ध नहीं कर पाया, लेकिन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के बदलने के कारण इस पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसने लोगों को अपने भविष्य के बारे में पर्याप्त जागरूक किया। सिद्धांत के मूल तत्व आज भी जीवित हैं। वास्तव में, इस सिद्धांत की एक सार्वभौमिक अपील है। यह सिद्धांत केवल एक जैव-भौतिक इकाई के रूप में दृष्टिगोचर नहीं होता। यह एक घटना है। और, कुल मिलाकर, यह घटना चल रही है, यद्यपि धीमी गति से। एशिया और अफ्रीका के कई देश पहले से ही एक गंभीर वास्तविकता का सामना कर रहे हैं, जिसकी माल्थस ने 18वीं शताब्दी के अंत में भविष्यवाणी की थी। और इस वर्ष तो श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा भारत के कई अन्य पड़ोसी देशों ने माल्थस सिद्धांत के उसकी संपूर्णता में दर्शन कर लिए हैं। यदि आज की दुनिया में संपूर्ण यूरोप और अधिकांश पश्चिमी देशों को अधिक जनसंख्या और सामाजिक-आर्थिक कष्टों की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है, तो इसका श्रेय भी माल्थस को जाता है। माल्थस ने अपने देश को अति-जनसंख्या के परिणामों के बारे में आगाह किया और पूरे यूरोप और दुनिया के कई देशों ने जनसंख्या विस्फोट की स्थिति से बचने के लिए उचित उपाय करना शुरू कर दिया।

हमको भूकंप नहीं, हमारी हरकतें और मकान मारते हैं

जय सिंह रावत

भूकंप के झटकों ने उत्तराखंड से लेकर दिल्ली तक को दहला दिया है। लोगों को बड़े भूचालों का डर सताने लगा है, जबकि भूचाल कभी किसी को नहीं मारता है। हमको मारते वह भवन हैं जिसे हम अपने आश्रय के लिए या सुरक्षित रहने के लिए बनाते हैं। फिर भी जो मकान मारक साबित होते हैं हम उसके लिए विलाप करते हैं और सारा दोष भूकंप पर डाल देते हैं। अगर हम प्रकृति के साथ जीना सीख लें तो क्या भूचाल या क्या बाढ़, हमें कोई भी आपदा नहीं मार सकती। भूकंप, बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन या आकाशीय बिजली गिरने जैसी घटनाएं प्राकृतिक होती हैं और प्रकृति के नियमों के अनुसार होती रहती हैं। इन प्राकृतिक घटनाओं को हम अपनी लापरवाही और अज्ञान के कारण आपदा बनाते हैं। 30 सितंबर 1993 को महाराष्ट्र के लातूर क्षेत्र में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, इसमें लगभग 10 हजार लोग मारे जाते हैं। 30 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के साथ ही 1.4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। जबकि 28 मार्च 1999 को चमोली में लातूर से भी तेज 6.8 मैग्नीट्यूट का भूकंप आता है तो उसमें केवल 103 लोगों की जानें जाती हैं और 50 हजार मकान क्षति ग्रस्त होते हैं। 20 अकटूबर 1991 के उत्तरकाशी के 6.6 परिमाण के भूकंप में 786 लोग मारे जाते हैं और 42 हजार मकान क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह जब 26 जनवरी 2001 को गुजरात के भुज में रिक्टर पैमान पर 7.7 परिमाण का भूकंप आता है तो उसमें कम से कम 20 हजार लोग मारे जाते हैं और 1.67 लाख लोग घायल होने के साथ ही 4 लाख लोग बेघर हो जाते हैं। 11 मार्च 2011 को जापान के टोहोकू क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 9.00 अंक परिमाण का प्रलयकारी भूचाल आने के साथ ही विनाशकारी सुनामी भी आबादी क्षेत्र को ताबाह कर जाती है, फिर भी वहां केवल 15,891 लोग मारे जाते हैं। इस दुहरी विनाशलीला के साथ तीसरा संकट परमाणु संयंत्रों के क्षतिग्रस्त होने से विकीर्ण का भी था। अगर ऐसा तिहरा संकट भारत जैसे देश में आता तो करोड़ों लोग जान गंवा बैठते। 25 अप्रैल 2015 नेपाल में 7.8 परिमाण का भूकंप आता है जिसमें लगभग 9 हजार लोग मारे जाते हैं और 21 हजार से अधिक घायल हो जाते हैं। वहां सबसे अधिक तबाही काठमांडू में हुई, क्योंकि देश की राजधानी होने के नाते वहां आबादी ज्यादा घनी और इमारतें भी औसतन ज्यादा और विशलकाय हैं। अगर आप जापान में भूकंपों का इतिहास टटोलें तो वहां बड़े से बड़े भूचाल भी मानवीय हौसले को डिगा नहीं पाए। जापान में 26 नवम्बर सन् 84 (जूलियन कैलेंडर) से लेकर अब तक रिक्टर पैमाने पर 7 अंक से लेकर 9 परिमाण तक के दर्जनों भूचाल आ चुके हैं। आपदा प्रबंधकों के अनुसार इस परिमाण के भूकंप काफी विनाशकारी होते हैं। खासकर रिक्टर पैमाने पर 8 या उससे बड़े परिमाण के भूकंपों को भयंकर और 9 तथा उससे अधिक के भूचालों को तो प्रलयंकारी माना ही जाता है, फिर भी जपान में जनहानि बहुत कम होती है। सन् 1952 से लेकर अब तक जापान में रिक्टर पैमाने पर 7 से लेकर 9 परिमाण तक के 31 बड़े भूचाल आ चुके हैं। इसके अलावा 4 या उससे कम परिमाण के भूकंप तो वहां लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं। इन भूकंपों में से टोहोकू के भूकंप और सुनामी के अलावा वहां कोई बड़ी मानवीय त्रासदी नहीं हुई। वहां 25 दिसंबर 2003 को होक्कैडो में 8.3 परिमाण का भयंकर भूचाल आया फिर भी उसमें मरने वालों की संख्या केवल एक थी। इतने बड़े परिमाणों वाले 7 भूकंप ऐसे थे जिनमें एक भी जान नहीं गई। जाहिर है कि जापान के लोग भूकंप ही नहीं बल्कि प्रकृति के कोपों के साथ जीना सीख गए हैं। वहां के लोगों ने प्रकृति को अपने हिसाब से ढालने का दुस्साहस करने के बजाय स्वयं को प्रकृति के अनुसार ढाल दिया है।

भूकंप की संवेदनशीलता के अनुसार भारत को 5 जोनों में बांटा गया है। इनमें सर्वाधिक संवेदनशील जोन 'पांच' माना जाता है जिसमें सिंधु से लेकर ब्रह्मपुत्र का सम्पूर्ण भारतीय हिमालय क्षेत्र है। वैसे देखा जाए तो अफगानिस्तान से लेकर भूटान तक का संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र भारतीय उप महाद्वीप के उत्तर में यूरेशियन प्लेट के टकराने से भूगर्वीय हलचलों के कारण संवेदनशील है। इनके अलावा रन आफ कुछ भी इसी जोन में शामिल है। लेकिन इतिहास बताता है कि भूचालों से जितना नुकसान कम संवेदनशील 'जोन चार' में होता है, उतना जोन पांच में नहीं होता, क्योंकि जोन पांच वाले हिमालयी क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व बहुत कम है, जबकि जोन चार और उससे कम संवेदनशील क्षेत्रों का जनसंख्या का घनत्व काफी अधिक है। त्रिपुरा को छोड़कर ज्यादातर हिमालयी राज्यों का जनसंख्या घनत्व बहुत कम है। अरुणाचल प्रदेश का जनसंख्या घनत्व तो 17 और मीजोरम का 52 प्रति वर्ग किमी है, जबकि दिल्ली का जनसंख्या घनत्व 11,297 है और दिल्ली को भी भूकंप के गंभीर खतरे की जद में माना जाता है। उत्तराखंड में ही उच्च हिमालयी क्षेत्र जिला चमोली का जनसंख्या घनत्व 49 और उत्तरकाशी का 41 है, वहीं मैदानी हरिद्वार का 817 और उधमसिंहनगर का 648 व्यक्ति प्रति वर्गकिमी है। अगर कभी काठमांडो की जैसी भूकंप आपदा आती है तो भूकंपीय दृष्टि से अति संवेदनशील सीमांत जिलों से अधिक नुकसान मैदानी जिलों में हो सकता है। यही नहीं हिमालयी क्षेत्र में प्राय: लोगों के घर हजारों सालों के अनुभवों के आधार पर परंपरागत स्थापत्य कला के अनुसार बने होते थे, इसलिए यहां जनहानि भी काफी कम होती थी। लेकिन अब पहाड़ के लोग मैदानी क्षेत्र की तरह ही मकान बना कर खतरा बढ़ा रहे हैं। सन् 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में हजारों मकान ध्वस्त हो गए मगर हजार साल से खड़ा कोटी बनाल का बहुमंजिला मकान ज्यों का त्यों आज भी खड़ा है। वहां आज भी ऐसे मकान हजारों की संख्या में हैं।

इन उपायों से कर सकते हैं अस्थमा से बचाव

ठंड के मौसम में तापमान में आने वाली गिरावट के साथ अस्थमा जैसी सांस की बीमारियों के ट्रिगर होने का हो सकता है खतरा

उत्तर भारत सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। ठंड का यह मौसम खान-पान के नजरिए से कई लोगों का सबसे पसंदीदा होता है पर इस मौसम में सेहत का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से जिन लोगों को पहले से ही स्वास्थ्य समस्याएं हैं उन्हें विशेष बचाव करते रहने की आवश्यकता होती है। इस मौसम में तापमान में आने वाली गिरावट के साथ अस्थमा जैसी सांस की समस्याओं के ट्रिगर होने का खतरा हो सकता है। ऐसे में बचाव के उपाय करते रहना और सेहत का ख्याल रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अस्थमा से पीड़ित लोगों के वायुमार्ग अधिक संवेदनशील होते हैं और उनमें इंफ्लामेशन की आशंका भी अधिक होती है। ठंडी हवा वायुमार्ग में सूखापन पैदा कर सकती है, जिससे आसपास की मांसपेशियों में कसाव पैदा होने लगता है। यह स्थिति वायुमार्ग के सामान्य कार्य को बाधित कर सकती है, जिससे अस्थमा ट्रिगर हो सकता है। इस तरह के जोखिमों से बचे रहने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। ये सामान्य से उपाय आपको जटिलताओं से बचाने में सहायक हो सकते हैं।

लहसुन-अदरक से लाभ

अध्ययनों में पाया गया है कि अस्थमा के रोगियों के लिए एंटी-इंफ्लामेटरी चीजों का सेवन करना लाभकारी हो सकता है। साल 2013 के एक अध्ययन के अनुसार, लहसुन में सूजन-रोधी गुण सहित कई ऐसे तत्व होते हैं जो इंफ्लामेशन को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसी तरह से अदरक भी इंफ्लामेशन के खतरे से आपको बचाने में मददगार है। अध्ययन से पता चला है कि अदरक से अस्थमा के लक्षणों में सुधार हो सकता है।

दवा और इनहेलर का प्रयोग

जिन लोगों को अस्थमा की समस्या होती है उन्हें समय पर दवाइयों और इनहेलर लेने की सलाह दी जाती है। अस्थमा की समस्या को ट्रिगर होने से बचाने के लिए समय पर इनहेलर लेना आवश्यक होता है। अस्थमा को ट्रिगर होने से बचाने के लिए सर्द मौसम से बचाव करते रहना आवश्यक माना जाता है। सांस की समस्याओं में तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

योग की बनाएं आदत

शरीर को स्वस्थ रखने और लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से योगासनों के अभ्यास की आदत बनाने की सलाह दी जाती है, इससे अस्थमा में भी लाभ पाया जा सकता है। योग, संपूर्ण फिटनेस को बढ़ाने में मदद करता है। योग का अभ्यास करने से तनाव कम हो सकता है, जिससे अस्थमा को ट्रिगर होने से रोका जा सकता है। योग और श्वसन तकनीक अस्थमा अटैक के जोखिमों को कम करने में मदद करती है।

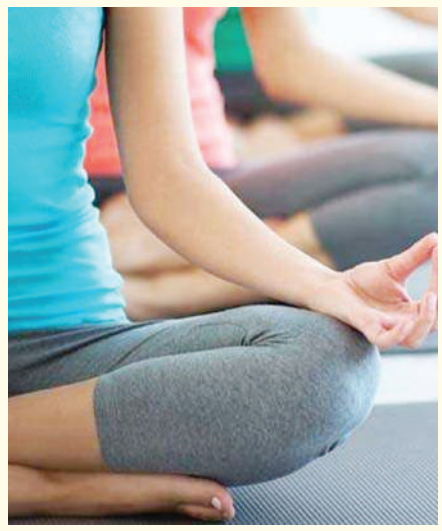

आहार में बदलाव की जरूरत

अस्थमा की समस्या को ट्रिगर होने से बचाने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन करना आवश्यक माना जाता है। वैसे तो अस्थमा वाले लोगों के लिए कोई विशिष्ट आहार नहीं है, लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर गंभीर जटिलताओं से बचाव किया जा सकता है। स्वस्थ और संतुलित आहार जिसमें बहुत सारे फल और सब्जियां शामिल हों, इनका सेवन आपको जटिलताओं से बचाने में मददगार है। ये बीटा-कैरोटीन और विटामिन सी-ई जैसे एंटीऑक्सिडेंट के अच्छे स्रोत हैं जो आपके वायुमार्ग के आसपास की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

अगर आपकी तोंद निकल रही है तो घबराएं नहीं। क्योंकि एयर बैग हमेशा लग्जरी कारों में ही होते हैं।

पत्नी जैसे ही चाय बनाकर लाई। पतिः फीकी चाय बनाई है ना? डॉक्टर ने मीठी पीने को मना किया है। पत्नीः अलग-अलग चाय नहीं बनाऊंगी, लड्डू खाकर पी लेना, फीकी लगेगी। पति बेहोश!

जब सिर की चोट लगने पर मंटू डॉक्टर के पास पहुंचा। डॉक्टरः ये कैसे हुआ? मंटूः मैं ईंट से पत्थर तो? रहा था। डॉक्टरः तोड़ मंटूः एक आदमी ने मुझसे कहा- कभी दिमाग का इस्तेमाल भी कर लिया कर। डॉक्टर हैरान!

टीटू रोज स्कूल के लिए लेट हो जाता था, एक दिन टीचर ने पूछाः तुम बाकी बच्चों के साथ क्यों नहीं आते? टीटूः झुंड में तो गधे आते हैं मैम, शेर हमेशा अकेला ही आता है।

एक बार चींटी ऑटो में बैठकर कहीं जा रही थी। थोड़ी देर बाद उसने अपना एक पैर ऑटो से बाहर निकाल लिया। ऑटो वाला बोलाः मैडम, पैर अंदर कर लो। चिंटी ने जवाब दियाः तुम चुप करो, मुझे हाथी को लात मारनी है उसने कल मुझे आंख मारी थी।

कहानी — बुद्ध की सहनशीलता

गौतम बुद्ध सत्य, अहिंसा और सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति थे। इन्हीं सद्गुणों का उपदेश वे घूम-घूमकर देते और लोगों से इन्हें अपनाने का आग्रह करते। एक दिन बे किसी गाँव में पहुँचे। वहाँ कुछ ऐसे अज्ञानी लोग थे, जो बुद्ध के विरोधी थे। वे बुद्ध को अपशब्द कहने लगे। यह देखकर बुद्ध के शिष्यों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने बुद्ध से इसका विरोध करने का आग्रह किया तो बुद्ध ने उन्हें समझाया कि ये लोग तो अपशब्द ही कह रहे हैं। यदि ये पत्थर भी मार रहे होते तो भी मैं कहता कि मारने दो। मैं जानता हूँ कि ये कुछ कहना चाहते हैं, लेकिन क्रोध के कारण कह नहीं पा रहे। दस साल पूर्व यदि ये ही लोग मुझे गाली देते तो मैं भी इन्हें गाली देता। किंतु अब तो लेन-देन से मुक्ति मिल गई है। क्रोध से अपशब्द निकलते हैं। यहाँ तो क्रोध-भवन कब का ढह चुका है। बुद्ध के विचार सुनकर अपशब्द कहने वाले हैरान रह गए। बुद्ध ने आगे अपने शिष्यों से कहा, इन लोगों को बताओ कि पिछले गाँव में क्या हुआ था? शिष्यों ने बताया, वहाँ के लोग फल व मिठाइयाँ लेकर आए थे और आप ने यह कहकर वे चीजें लौटा दीं कि अब लेने वाला विदा हो चुका है। दस साल पहले आते तो मैं ये सभी उपहार ले लेता। बुद्ध बोले, उन लोगों ने मिठाइयाँ गाँव में बाँट दीं, लेकिन आप ये अपशब्द गाँव में न बाँटे। आप मुझे क्रोध नहीं दिला सकते। ठीक उस खूँटी की तरह, जो किसी को नहीं टाँगती, लोग उस पर वस्त्र अवश्य टाँग देते हैं। कथा का सार यह है कि साक्षी भाव सच्चे संत की पहचान है। जो अच्छे-बुरे, लाभ-हानि, अपना-पराया के संकीर्ण भाव से मुक्त हो जाता है, उसे ही संतत्व की प्राप्ति होती है।

10 अंतर खोजें

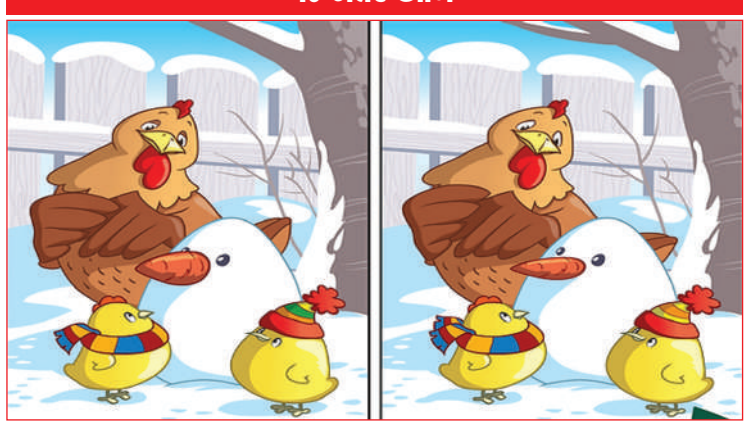

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूसरों के लिए खराब नीयत रखना मानसिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस तरह के विचारों से बचें, क्योंकि ये समय की बर्बादी करते हैं और आपकी क्षमताओं को खत्म करते हैं।

वृषभ

आज आपका दिन बहुत ही शानदार रहेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आज के दिन आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे, उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए ज्यादा सकारात्मक नहीं रहने वाला है। भविष्य की योजनाओं के लिए आपको नए संपर्क बनाने की जरूरत है। वे आपके करियर की तरक्की में बहुत मददगार रहेंगे।

कर्क

आज सिर्फ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इजाफा कर सके। लगातार डांटना-डपटना बच्चे के व्यवहार को बिगाड़ सकता है।

सिंह

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी नए काम की शुरुआत से पहले घर के बड़ों की सलाह जरूर ले लें। पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कन्या

आज आप काफी पैसे बना सकते हैं लेकिन ऐसे मौकों को अपने हाथों से फिसलने न दें। अपनी योजनाओं पर भरोसा करें। आज किसी के साथ तकरार होने की संभावना है।

तुला

जिंदगी की बेहतरीन चीजों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग के दरवाजे खोलें। अपने खर्चों पर काबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें।

वृश्चिक

आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आपकी सेहत पहले से ठीक रहेगी। नये बिजनेस के लिये घर में विचार विमर्श कर सकते हैं। आज का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है।

धनु

आज आपके रुके हुए सभी काम बहुत जल्द पूर्ण होंगे। आने वाला समय आपके लिए लाइफ चेंजिंग साबित होगा आप जो भी काम शुरू करेंगे आपको सफलता निश्चित तौरपर मिलेगी।

मकर

आज का दिन ऐसी चीजों को खरीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी कीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। दोस्तों का सहयोग मिलेगा, लेकिन जीवन-साथी से किसी छोटी-सी बात पर अनबन हो सकती है।

कुम्भ

आज आपको अपनी वाणी पर काबू रखना होगा। आज आपके नए काम आपको लाभ देंगे। आप कुछ नया करने की सोचेंगे, जिसमें आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन

आपके विचारों को सम्मान मिलेगा। बिजनेस भी बढ़ेगा। अचानक फायदा होने के योग बन रहे हैं। नवविवाहित जोड़े एक दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिता सकते हैं।

केबीसी-14 के मंच पर बिग बी को लगी फटकार

टीवी के सुपरहिट क्विज रिएलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 14 के लेटेस्ट एपिसोड में एक मजेदार वाकया हुआ। इस बार शो में एक कंटेस्टेंट ने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन को ही फटकार दिया। बिग बी कंटेस्टेंट की बातें सुनकर इतने परेशान हो गए कि वो शो छोड़कर जाने लगे। केबीसी के दर्शक भी ये नजारा देख हंसते-हंसते लोटपोट हो गए।

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन ने सैकड़ों फिल्मों में काम किया है। बड़े पर्दे पर उन्हें एंग्री यंग मैन का खिताब हासिल है। इस बीच वह केबीसी के होस्ट के रूप में भी घर-घर में सबके चहेते हैं। हाल में केबीसी में फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड से जबलपुर (मध्य प्रदेश) के राजेंद्र गुप्ता हॉटसीट पर बैठे थे। राजेंद्र एक प्राइवेट स्कूल के प्रिंसिपल हैं जिसमें करीब 200 छात्र पढ़ते हैं। केबीसी में आते ही राजेंद्र ने खेल आगे बढ़ते ही बिग बी की एक फिल्म को लेकर उन्हें डांटना शुरू कर दिया। राजेंद्र ने कहा कि उन्होंने अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की एक फिल्म देखी थी, जिसमें अमिताभ ने एक खतरनाक प्रिंसिपल का रोल निभाया था। वो एक खडूस और सख्त हेडमास्टर बने थे और सभी स्टूडेंट्स उनसे डरते थे। कंटेस्टेंट की बात सुनकर पहले तो अमिताभ हैरान रह जाते हैं फिर पूछते हैं कि वो ये सब उन्हें क्यों बता रहे हैं। इस पर राजेंद्र ने कहा कि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि स्टूडेंट्स प्यार ही तो करना चाहते थे। कंटेस्टेंट की बातें सुनकर अमिताभ दंग रह जाते हैं और कहते हैं, मुझे नहीं खेलना। मुझे घर जाना है। जब से ये आए हैं मुझे डांट पड़ रही है, राजेंद्र यही पर नहीं रूके और उन्होंने अमिताभ बच्चन को मोहब्बते फिल्म में उनके किरदार के लिए जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा, आपने भले रोल की डिमांड के हिसाब से काम किया लेकिन आपने प्यार को जीतने नहीं दिया, जिसकी वजह से फिल्म में आपने अपनी बेटी को खो दिया। ये सुनकर बिग बी हैरान रह जाते हैं फिर कहते हैं- मैं सीरियसली अब केबीसी नहीं खेलना चाहता हूं।

श्रद्धा मर्डर केस पर जमकर भड़कीं चंद्रमुखी चौटाला

दिल्ली का श्रद्धा मर्डर केस काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। श्रद्धा के बॉयफ्रेंड आफताब ने श्रद्धा का मर्डर करने के बाद उसके शव के 35 टुकड़े करके फेंक दिए थे। दिल्ली के निर्भया कांड के बाद श्रद्धा मर्डर केस को सुनकर सभी की रूह कांप गई है। जब से ये खबर आई है, तब से हर कोई उस आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए जाने की मांग कर रहा है। कोई उसे राक्षस बता रहा है तो कोई लड़की को दोषी ठहरा रहा है। बीते दिन अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने भी आफताब को सख्त सजा दिए जाने की मांग की थी। अब टीवी अभिनेत्री कविता कौशिक ने भी इसपर रिएक्शन दिया है। दिल्ली मर्डर केस के बाद से लोगों में काफी आक्रोश है। लोग सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। टीवी अभिनेत्री कविता कौशिक ने भी ट्वीट करके अपनी भड़ास निकाली है। कविता कौशिक ने एक ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा- इस लड़के को फांसी दी जानी चाहिए, ऐसे नृशंस अपराध के लिए कोई और सजा है ही नहीं। बता दें कि श्रद्धा की लाश के टुकड़े करने के बाद आफताब ने एक फ्रीजर खरीदा था। आफताब ने श्रद्धा की बॉडी के टुकड़ों को धोकर उनको प्लास्टिक में पैक करके उस फ्रिज में रख दिया था और घर में रोज अगरबत्ती जलाता था, जिससे की बदबू बाहर न जा सके। उसने कई सारे प्लास्टिक पैकेट खरीदे थे, जिनमें वह रोज एक टुकड़ा रखता और जंगल में फेंक आता था। वहीं कविता कौशिक की बात करें तो वह टीवी शो एफआईआर में नजर आई थीं। इस सीरियल में उन्होंने चंद्रमुखी चौटाला का किरदार निभाया था।

छोटा पर्दा | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म रामलीला में अपने कैरेक्टर से काफी हैरान हुई थीं दीपिका : भंसाली

'हम दिल दे चुके सनम' और 'देवदास' जैसी क्लासी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मे देने वाले बॉलीवुड के बेहद फेमस फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' भी बनाई थी। हाल ही में भंसाली ने 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के साथ काम करने के बारे में बात की. बता दें कि मंगलवार को फिल्म राम लीला को रिलीज हुए 9 साल पूरे हो गए थे इस दौरान फिल्ममेकर ने रणवीर और दीपिका के फिल्म के दौरान एक-दूसरे को डेट करने के बारे में भी बात की। ई टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक भंसाली ने कहा कि दीपिका-रणवीर को फिल्म में सेक्सुअल अट्रैक्शन वाले पार्ट के बारे में बताया गया था और वे इसे पूरी तरह से समझ गए थे। हालांकि उन्होंने इस तरह के बेबाक किरदार कभी नहीं निभाए थे। कभी-कभी, दीपिका अपने कैरेक्टर से हैरान हो जाती थी लेकिन वह वही करती जो मैं चाहता था। दोनों ही कमाल के एक्टर्स हैं। उन्होंने लव एक्सप्रेशन को इतना एफर्टलेस और मैजिकल बना दिया। उन्होंने प्यार की प्योरेस्ट फॉर्म जाहिर की है। भंसाली आगे कहते हैं, यह (राम लीला) एक ब्राइट, हैप्पी, कलरफुल फिल्म थी। मैं अपनी 'हम दिल दे चुके सनम' और 'देवदास' की फिल्म मेकिंग स्टाइल लौट आया था। 'राम-लीला' मेरी दो फिल्मों की विफलता के बाद आई। हमने 'सांवरिया' और 'गुजारिश' पर समान जुनून के साथ काम किया था। दोनों फिल्में मेरे लिए 'राम-लीला' की तरह अनमोल हैं लेकिन किसी तरह हमारी कोशिशें दर्शकों से नहीं जुड़ पाईं। इससे मेरा दिल टूट गया। मुझे 'राम-लीला' की जरूरत थी ताकि ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंचा जा सके। ऐसा नहीं है कि मैंने कुछ साबित करने के लिए 'राम-लीला' बनाई। मैंने वह फिल्म बनाई जिसे बनाने में मुझे मजा आया और मुझे उम्मीद थी कि दर्शक मेरी खुशी शेयर करेंगे। फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला, फेमस नाटक रोमियो और जूलियट का एडेप्शन है।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक आर्मी ट्रेनिंग जिसमें जवानों को पीना पड़ता है कोबरा का खून

हर देश अपनी सेना के जवानों को ऐसी ट्रेनिंग देते हैं जिससे वे दुश्मन देशों को धूल चटा सकें। लेकिन इन्हीं में से कुछ सैनिकों को इतनी खतरनाक ट्रेनिंग दी जाती हैं, जिनके बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता। क्योंकि ये ट्रेनिंग हर जवान को नहीं दी जाती, बल्कि ये चुनिंदा जवानों को ही दी जाती है। जिसमें उन्हें खतरनाक से खतरनाक हालातों में जिंदा रहने के गुर सिखाए जाते हैं। ऐसी ट्रेनिंग को करना हर जवान के बस की बात नहीं होती। क्योंकि इस ट्रेनिंग में जवानों को कोबरा का खून तक पीना पड़ता है। इन्हीं में से एक ट्रेनिंग है कोबरा गोल्ड आर्मी ट्रेनिंग। यह ट्रेनिंग हर जवान को नहीं दी जाती है क्योंकि इस ट्रेनिंग में ज़िंदा रहने के बहुत ही घिनौने और खतरनाक तरीके अपनाए जाते हैं, जो हर सैनिक के बस की बात नहीं होती। इस ट्रेनिंग को दुनिया की सबसे कठिन सैन्य अभ्यास में से एक माना जाता है। बता दें कि कोबरा गोल्ड ट्रेनिंग की शुरुआत साल 1982 में हुई। यह ट्रेनिंग अमेरिका और थाईलैंड आर्मी मिलकर थाईलैंड के जंगलों में कराती हैं। हालांकि इसमें और भी कई देशों के सैनिक भाग लेते हैं। इस ट्रेनिंग का उद्देश्य यह है कि सैनिकों को हर परिस्थिति के लिए मज़बूत बन जाएं। इस खतरनाक ट्रेनिंग में उन्हें प्यास बुझाने के लिए कोबरा का खून पीना तक पिलाया जाता है। साथ ही भूख शांत करने के लिए जिंदा मुर्गे को चीरकर खाना सिखाया जाता है। इसके अलावा कोबरा की पूंछ खाने तथा बिच्छू को खाने और अन्य कई तरह के कीड़े-मकौड़े खाने की ट्रेनिंग भी उन्हें दी जाती है। कोबरा गोल्ड के तहत कई देशों के सैनिकों की ज्वाइंट एक्सरसाइज कराई जाती है, इसका नेतृत्व अमेरिकी मरीन करता है। थाईलैंड के कोनबुरी प्रांत के जंगलों में स्थित मिलिट्री बेस में सात देशों के हज़ारों सैनिकों को जंगल में खतरनाक स्थितियों में जिंदा बच निकलने के तरीके बताए जाते हैं। यह एक्सरसाइज 11 दिनों तक चलती है। कोबरा गोल्ड मिलिट्री एक्सरसाइज में थाईलैंड के साथ अमेरिका, सिंगापुर, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के सैनिक शामिल होते हैं। बता दें कि इस ट्रेनिंग में शामिल कुछ एशियाई देशों के सैनिक ऐसा करने से हिचकते हैं क्योंकि कोबरा का खून एशियाई देशों में कामोत्तेजक औषधि के रूप में बेचा जाता है। कोबरा गोल्ड के तहत कई देशों के सैनिकों की ज्वाइंट एक्सरसाइज कराई जाती है, इसका नेतृत्व अमेरिकी मरीन करता है। थाईलैंड के कोनबुरी प्रांत के जंगलों में स्थित मिलिट्री बेस में सात देशों के हज़ारों सैनिकों को जंगल में खतरनाक स्थितियों में जिंदा बच निकलने के तरीके बताए जाते हैं। बता दें कि ये एक्सरसाइज 11 दिनों तक चलती है। कोबरा गोल्ड मिलिट्री एक्सरसाइज में थाईलैंड के साथ अमेरिका, सिंगापुर, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया के सैनिक शामिल होते हैं।

अजब-गजब

जहां भगवान की नहीं, बल्कि इस पक्षी की होती है पूजा

यहां है दुनिया का एक मात्र पत्नियों से पीड़ित पुरुषों के लिए आश्रम

हमारे देश में हजारों आश्रम मौजूद हैं। जहां आध्यात्मिक लोगों से लेकर गरीब लोगों के रहने की व्यवस्था की जाती है। लेकिन आज हम आपको अपने ही देश के एक ऐसे आश्रम के बारे में बताने जा रहे हैं। जो इन सब से अलग है। क्योंकि ये आश्रम सिर्फ पत्नियों से पीड़ित पुरुषों के लिए बनाया गया है। जहां ऐसे पुरुषों को ही रहने की अनुमति मिलती है जो अपनी पत्नी से परेशान हो।

बता दें कि ये अनोखा आश्रम महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है इस आश्रम को पत्नियों द्वारा पीड़ित कुछ पुरुषों ने खोला है। ये आश्रम औरंगाबाद से करीब 12 किलोमीटर दूर शिरडी-मुंबई हाईवे पर बना है। इस आश्रम पर कई पत्नी पीड़ित पुरुष रोजाना सलाह लेने आते रहते हैं। ये आश्रम हाईवे से देखने पर किसी सामान्य घर की तरह ही दिखाई देता है। लेकिन आश्रम के अंदर जाते ही अलग अनुभव की प्राप्ति होती है। इस आश्रम में प्रवेश करते ही पहले कमरे में कार्यालय बनाया गया है, जहां पत्नी पीडितों को कानूनी लड़ाई के बारे मे सलाह दी जाती है। कार्यालय मे थर्माकोल से एक बड़ा सा कौआ बनाया गया है। हर रोज सुबह-शाम अगरबत्ती लगाकर उसकी पूजा की जाती है। आश्रम में रहने

वालों का कहना है कि मादा कौआ अंडा देकर उड़ जाती है लेकिन नर कौआ चूजों का पालन पोषण करता है। ऐसी ही कुछ स्थिति पत्नी पीड़ित पतियों की होती है। इसीलिए यहां कौए की प्रतिमा की पूजा की जाती है। इसके अलावा यहां हर शनिवार और रविवार की सुबह 10 से शाम 6 बजे तक पत्नी-पीडितों की काउंसलिंग की जाती है। शुरूआत में केवल शहर और आसपास के लोग आते थे। अब छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश से तकरीबन आश्रम मे सलाह लेने के लिए आ रहे है। अनुभवी वकील के पास जिस तरह केस की डिटेल्स होती है उसी तरह आश्रम के संस्थापक भारत फुलारे गवाह और सबूतों की फाईल बनाते है। बता दें कि ये आश्रम 1200 स्क्वेयर फीट में बनाया गया है जिसमें तीन कमरे बनाए गए हैं। आश्रम में रहने वाले पुरूष खिचड़ी, रोटी, सब्जी, दाल सबकुछ खुद ही बनाते है। सलाह लेने के आने वाले हर व्यक्ति को खिचड़ी बनाकर खिलाई जाती है। आश्रम मे रहने वाले सदस्य पैसे जमा कर यहां का खर्चा उठाते है। आश्रम मे रहने वाले लोगों मे कोई टेलर है तो कोई गैराज का मैकनिक है।

भाजपा के वादे हवा-हवाई, जनता को गुमराह करना, धोखा देना इनका काम : डिंपल यादव

» मैनपुरी में सपा प्रत्याशी ने किया प्रचार, कहा- भाजपा से हर वर्ग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी पूर्व सांसद डिंपल यादव ने कहा है कि मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव नेताजी और जनता का है। भाजपा से हर वर्ग परेशान है। आज महंगाई चरम पर है। सिलेंडर 1100 रुपयों में हो गया है। एक गृहणी के लिए यह सब कितना मुश्किल होता है। उन्होंने मैनपुरी समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पार्टी की महिला नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आप सब मुझे ये चुनाव जिताएंगे।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने गर्भवती महिलाओं के लिए एम्बुलेंस सेवा शुरू कराई थी, कन्या विद्या धन की शुरुआत की थी। मौजूदा भाजपा सरकार सिर्फ बड़े-बड़े दावे करती है और जनता को धोखा देती है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव नेताजी के सम्मान का चुनाव है। मुझे उम्मीद है कि आप सब उनका सम्मान रखेंगे। नेताजी ने सदैव सबका सम्मान रखा था, उनकी सोच और विचारों को हम सब आगे लेकर जाएंगे।

डिंपल यादव ने कहा कि मैं चाहती हूं कि हर बूथ पर एक महिला हो। पुरुषों से ज्यादा महिलाएं आगे रहें। मेरा उद्देश्य है कि मैं आपसे सीधे जुड़ सकूं, जिसके लिए मैं एक नंबर भी जारी करूंगी। इसके पश्चात् उन्होंने एक नम्बर भी जारी किया और महिलाओं से आग्रह किया कि वह सभी इसके माध्यम से उनसे जुड़ सकती हैं। वहीं बिधूना विधायक रेखा वर्मा ने कहा कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब सब साइकिल का बटन दबाकर डिंपल यादव को भारी मतों से विजयी बनाएंगे। इस दौरान मैनपुरी समाजवादी महिला सभा की निवर्तमान जिलाध्यक्ष ज्योति मेसी, डॉ सुमन यादव, साधना गुप्ता, श्रीदेवी दिवाकर, विद्या कश्यप, वित्तन शाक्य, अफसरी बेगम, नीता कठेरिया, पूनम यादव, रेखा शाक्य सहित भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी योगी सरकार

» यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र पांच दिसंबर से शुरू होगा। शीतकालीन सत्र के दौरान योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी। इस संक्षिप्त सत्र के दौरान सरकार कुछ विधेयकों को पारित कराएगी और कुछ अध्यादेशों के प्रतिस्थानी विधेयक भी लाएगी। गौरतलब है कि विधानमंडल का पिछला सत्र वर्षाकालीन था जो 19 से 23 सितंबर तक हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आहूत करने के संसदीय कार्य विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। कैबिनेट के इस निर्णय की जानकारी संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दी। उन्होंने बताया कि विधानमंडल का यह सत्र संभवत: तीन दिन चलेगा। इसमें सरकार की ओर से मुख्य रूप से अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। कुछ विधायी कार्य भी होंगे। प्रदेश की योगी सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 6,15,518.97 करोड़ रुपये का बजट बीती 29 मई को पेश किया था। सरकार की कोशिश है कि वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए वह प्रदेश में विकास कार्यों को तेज गति दे।

निकाय चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी जनता : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निकाय चुनाव की तारीखें अभी घोषित नहीं हुई है। लेकिन सियासी दल व प्रत्याशी टिकट व जीत हासिल करने के लिए गोटें बिछाने लगे हैं। निकाय चुनाव में सपा की मजबूती को लेकर कन्नौज पहुंचे एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह चुनाव भाजपा के कारनामों पर लड़ा जाएगा। साथ ही जनता भी इन्हें सबक सिखाने का काम करेगी।

नगर पालिका के चेयरमैन प्रत्याशी रहे सीबी सिंह के आवास पर सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य, पूर्व सांसद रामबक्स सिंह बर्मा, पूर्व मंत्री राम औतार सिंह, पूर्व विधायक आरएस कुशवाह, नीरज मौर्य, आकाश शाक्य ने विचार व्यक्त किए। यहां स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार के कारनामों को लेकर प्रदेश में निकाय चुनाव लड़ा जायेगा। जनता चुनाव में भाजपा को सबक सिखाते हुए सपा के पक्ष में मतदान करेगी।

सेंट जोसेफ के छात्रों ने शहर में शीर्ष ख्याति प्राप्त की : राज्यपाल

» राज्यपाल के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत हुए छात्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजकीय जुबली इंटर कॉलेज लखनऊ में आयोजित स्कूल बैंड प्रतियोगिता में सेंट जोसेफ कॉलेज, सीतापुर रोड शाखा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के ऑनलाइन संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता के विजेताओं तृषा (लोक नृत्य), अविका वर्मा (कथक) और चित्रांश अस्थाना (शास्त्रीय संगीत) को राज्यपाल उत्तर प्रदेश/कुलाधिपति भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत हुए।

सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने बच्चों की इन शानदार उपलब्धियों पर गहरी खुशी व्यक्त की और उन्हें आशीर्वाद दिया। प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल ने विजेता बैंड टीम को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे हमारे सबसे बड़े प्रतिबिंब और संसाधन हैं और यह एक बार फिर साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के शिक्षक विजय कुमार के निर्देशन में कॉलेज बैंड ने प्रतियोगिता में भाग लिया था व बैंड लीडर कनिष्का दीक्षित के नेतृत्व में टीम ने देशभक्ति की धुन बजाकर सबको मंत्रमुग्ध किया। बैंड प्रतियोगिता में संयुक्त शिक्षा निदेशक सुरेंद्र कुमार तिवारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडेय उपस्थित थे।

शिवपाल के ताजा रुख से मैनपुरी में भाजपा को झटका

» जल्द चाचा से मिलेंगे अखिलेश, बनाएंगे रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के मुखिया व जसवंतनगर के विधायक शिवपाल सिंह यादव के ताजा रुख से मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा की उम्मीदों को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। शिवपाल ने जिस तरह से सैफई में कार्यकर्ताओं के बीच डिंपल यादव को बड़ी बहू बताते हुए जिताने का आह्वान किया उससे साफ लगता है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके बिगड़े रिश्ते का फायदा उठाने की कोशिश में भाजपा की राह मैनपुरी सीट पर आसान नहीं रहने वाली है।

शिवपाल अपनी टीम के साथ मैनपुरी के उपचुनाव में पूरी तरह से डिंपल के लिए प्रचार करने उतर सकते हैं। समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में सपा ने डिंपल को मैदान में उतारा है। भाजपा ने यहां से इटावा के दो बार के सांसद रहे रघुराज सिंह शाक्य पर दांव लगाया है। मूल रूप से जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले रघुराज प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव के बेहद करीबी रहे हैं। रघुराज प्रसपा मुखिया शिवपाल को अपना राजनीतिक गुरु बता रहे हैं। समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देने के बाद रघुराज सिंह शाक्य शिवपाल की पार्टी में शामिल हुए थे। उन्हें प्रसपा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा को उम्मीद थी कि जिस तरह से शिवपाल पिछले विधानसभा चुनाव में सपा से गठबंधन को बड़ी भूल और सार्वजनिक मंच से अपने अपमान की दुहाई देते रहे हैं उससे अखिलेश से उनके बिगड़े रिश्ते का फायदा पार्टी प्रत्याशी रघुराज को मिल सकता है।

आजम खां की याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच मामले में आजम खां की ओर से दाखिल याचिका को औचित्यहीन हो जाने के कारण खारिज कर दिया। वर्ष 2019 के हेट स्पीच मामले में चल रहे ट्रायल को रोकने की मांग को लेकर आजम खां ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

रामपुर की स्पेशल कोर्ट इस मामले में 27 अक्टूबर को ही फैसला सुनाते हुए आजम खां को दोषी ठहरा चुकी है। आजम खां को तीन वर्ष की सजा सुनाई गई है। सजा के आधार पर आजम खां की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई है। रामपुर सीट पर अब उप चुनाव हो रहा है। ट्रायल कोर्ट का फैसला आ जाने की वजह से आजम खां की याचिका औचित्यहीन हो गई थी।

फोरेंसिक जांच में ज्वलनशील पदार्थ से घर में आग लगाने की पुष्टि, विधायक इरफान सोलंकी की तलाश में छापेमारी

» विधायक और उनका भाई वारदात के बाद से कानपुर छोड़कर फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के विधायक इरफान सोलंकी के मामले फोरेंसिक रिपोर्ट ने कहानी को पलट कर रख दिया है। रिपोर्ट में ज्वलन शील पदार्थ से आग लगाने की पुष्टि हुई है। जबकि विधायक के परिजनों ने वीडियो जारी करके दावा किया था कि घर में आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगी थी। उनके परिवार को गलत फंसाया जा रहा है। फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद से एक बार फिर से विधायक और उनके भाई की तलाश में छापेमारी तेज कर दी गई। विधायक और उनका भाई वारदात के बाद से कानपुर छोड़कर फरार हैं।

जाजमऊ डिफेंस कॉलोनी निवासी सपा विधायक इरफान सोलंकी की पड़ोसी महिला बेबीनाज ने आरोप लगाया था कि 7 नवंबर को कब्जे की नीयत से विधायक और उनके भाई रिजवान ने उनका घर फूंक दिया। वह परिवार समेत एक शादी समारोह में गईं थी। इसी का फायदा उठाकर विधायक और उनके भाई ने वारदात को अंजाम दिया। मामले में जाजमऊ पुलिस ने विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई के खिलाफ घर फूंकने, मारपीट, धमकी समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद विधायक की गिरफ्तारी के लिए घर पर 15 थानों की फोर्स ने छापा मारा था। विधायक मौके से भाग निकले थे। पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड के आदेश पर जले हुए घर की जांच करने फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी गई थी। घंटो जांच-पड़ताल करने के साथ ही मौके से साक्ष्य जुटाए थे। फोरेंसिक टीम प्रभारी प्रवीण श्रीवास्तव ने जांच रिपोर्ट जाजमऊ थाने को सौंप दी। रिपोर्ट के मुताबिक घर में आग लगाने के लिए ज्वलनशील पदार्थ का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही अन्य साक्ष्य भी मिले हैं।

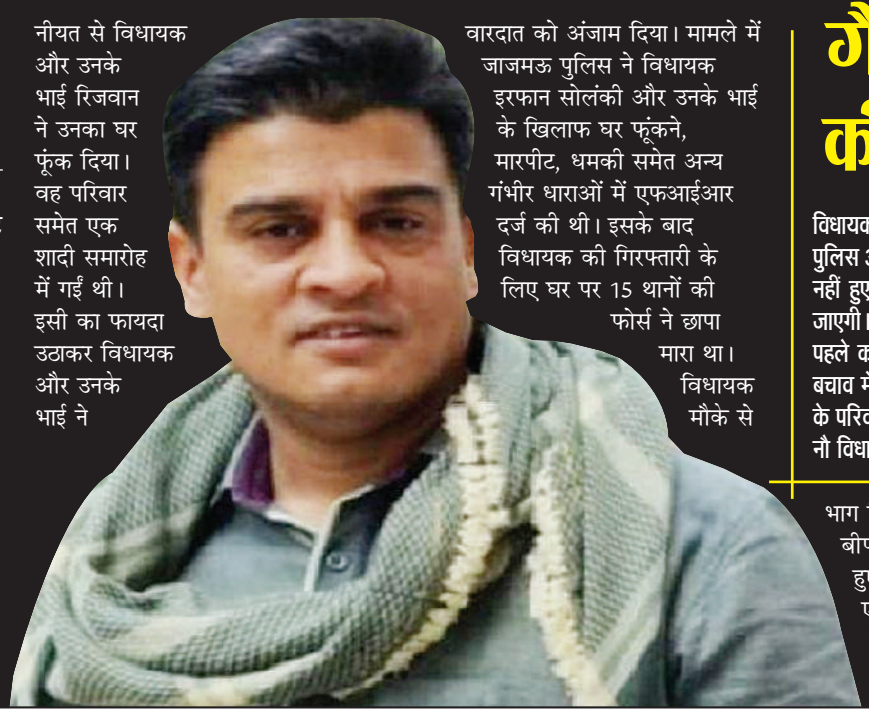

गैर जमानतीय वारंट लेने की तैयारी में कानपुर पुलिस

विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान की फरारी के चलते जाजमऊ थाने की पुलिस अब एनबीडब्ल्यू लेने की तैयारी में जुटी है। अगर विधायक और उनका भाई जल्द हाजिर नहीं हुए तो गैर जमानतीय वारंट (एनबीडब्ल्यू) लेने के बाद कुर्की की प्रकिया शुरू कर दी जाएगी। सपा के विवादित विधायक इरफान पर पहली बार पुलिस का शिकंजा कसा है। इससे पहले कई मामले हुए लेकिन कोई विधायक पर हाथ नहीं डाल सका था। उधर विधायक के बचाव में विधायकों का एक दल पुलिस कमिश्नर से मिलने पहुंचा था। इसके साथ ही इरफान के परिवार से भी मिला था। इसमें मुख्य सचेतक विधानसभा डॉ. मनोज पांडेय के अलावा अन्य नौ विधायक व निवर्तमान महानगर अध्यक्ष सपा ने घर पहुंचकर मामले की जांच की।

कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोम्मई का मांगा इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बेंगलुरु में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर कई गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई, बीबीएमपी अधिकारी और राज्य चुनाव प्राधिकरण मतदाता डेटा की चोरी, धोखाधड़ी और प्रतिरूपण के लिए जिम्मेदार हैं।

सुरजेवाला ने कहा चुनावी धोखाधड़ी का पर्दाफाश हो गया है। बोम्मई के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कुचलने के अपराध में शामिल है। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक पीसी में कहा कि बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके ने अगस्त में एक निजी फर्म को मतदाताओं के घर-घर जाकर फ्री में सर्वेक्षण करने के लिए अधिकृत किया था। एजेंसी ने मतदाताओं के लिंग, मातृभाषा, मतदाता पहचान पत्र और आधार विवरण के बारे में जानकारी एकत्र की थी।

विधानमंडल सत्र के बाद जारी होगी निकाय चुनाव की अधिसूचना

» 8 जनवरी से पहले करवाने हैं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जारी होने वाली अधिसूचना अभी और टल सकती है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आयोजन पांच दिसंबर से होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस सत्र के बाद ही निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। प्रदेश में 763 नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित है। राज्य निर्वाचन आयोग को 8 जनवरी से पहले चुनाव करवाने हैं।

आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण 18 नवंबर को पूरा कर लिया। अब नगर विकास विभाग तेजी से आरक्षण निर्धारित करने की कार्यवाही कर रहा है। इससे माना जा रहा था कि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है। सरकार पांच दिसंबर से होने वाले दिवसीय शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी। इसमें कुछ नई योजनाओं की घोषणा की जा सकती है। यदि उससे पहले निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी की गई तो उनका सीधा असर निकाय चुनाव की आचार संहिता पर पड़ेगा।

62 जिलों में वार्डों के प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं

ऐसे में निकाय चुनाव की अधिसूचना शीतकालीन सत्र के बाद ही जारी होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में शहरी निकायों में चुनाव के परिणाम एक दिसंबर को घोषित हुए थे जबकि अधिसूचना अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में जारी की गई थी। उधर, शहरी निकायों में वार्डों का आरक्षण तय करने की प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। शासन से मिली जानकारी के मुताबिक फिलहाल 62 जिलों में ओबीसी आबादी की गणना और वार्डों के आरक्षण के प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। इनमें जो कमियां हैं, उन्हें निकायों के अधिकारियों को बुलाकर दुरुस्त करवाया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि अगले दो-तीन दिनों में सभी जिलों से शहरी निकायों में वार्डों के आरक्षण संबंधी प्रस्ताव शासन को मिल जाएंगे। इसके बाद नगर पंचायतों व नगर पालिका परिषदों में चेयरमैन और नगर निगमों में मेयर तय करने की प्रक्रिया शुरू होगी।

...तो 2024 होगा मेरा आखिरी चुनाव : चंद्रबाबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुरनूल में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। नायडू ने कहा कि अगर 2024 के चुनाव में उनकी पार्टी नहीं जीतती है, तो ये उनका आखिरी चुनाव होगा। नायडू ने कुरनूल में टीडीपी के सत्ता में लौटने तक विधानसभा में कदम नहीं रखने के अपने संकल्प को याद किया।

नायडू ने कहा अगर मुझे विधानसभा में जाना है, अगर मुझे राजनीति में रहना है और अगर आंध्र प्रदेश के साथ न्याय करना है। अगर आप अगले चुनाव में हमारी जीत सुनिश्चित नहीं करते तो यह मेरा आखिरी चुनाव हो सकता है। नायडू ने लोगों से पूछा, क्या आप मुझे आशीर्वाद देंगे? क्या आप मुझ पर भरोसा करते हैं? नायडू ने सत्ताधारी वाईएसआर कांग्रेस पर निशाना भी साधा। नायडू ने कहा कि आरोप लगाते हुए कहा कि वाईएसआर कांग्रेस विधानसभा में मेरी पत्नी का अपमान किया। तभी 19 नवंबर 2021 से सत्ता में लौटने के बाद ही आंध्र प्रदेश विधानसभा में कदम रखने की कसम खाई थी। रोड शो में आए लोगों से कहा, अगर मैं दोबारा सत्ता में नहीं आया तो अगला चुनाव आखिरी चुनाव होगा।

निगम की लापरवाही से राजधानी में डेंगू का कहर

» तीन से चार दिन में बिगड़ रही संक्रमितों की हालत

मो. शारिक

लखनऊ। राजधानी में ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में डेंगू के मरीजों की संख्या और तेज बुखार के चलते मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। लखनऊ, मेरठ, बाराबंकी, अलीगढ़, बरेली, कानपुर, फतेहपुर जिलों के सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू और बुखार के मरीज भरे पड़े हैं। बावजूद निगमों व स्वास्थ्य महकमा लापरवाही बरत रहा है।

राजधानी लखनऊ में डेंगू का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को 77 मरीजों में डेंगू के संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें पांच बच्चे हैं। देखने में आ रहा है कि तीन से चार दिन में डेंगू संक्रमितों की हालत बिगड़ रही है। लखनऊ में एक जनवरी से 10 नवंबर तक डेंगू के 1677 मामले आये हैं। जबकि डेंगू के मामले में दूसरे नंबर पर संगम नगरी प्रयागराज का नाम है। यहां 24 घंटे में 41 नए केस आये हैं जबकि जनवरी से नवंबर तक कुल 1543 मामले आ चुके हैं। करीब 25 मौतें हो चुकी हैं। प्रदेश के कई जिलों में प्रतिदिन 2 दर्जन से अधिक डेंगू के पेशेंट मिल रहे हैं। साथ ही जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर पर 300 से अधिक कॉल्स की समस्याओं को डिजॉल्व किया जा रहा हैं। मामले में नगर आयुक्त लखनऊ इंद्रजीत सिंह का कहना है कि डेंगू से बचाव को लेकर निगम की टीम फॉगिंग कर रही है।

यूपी सरकार ने केंद्र से मांगा मिट्टी का तेल

डेंगू को जल्द नियंत्रित करने को लेकर यूपी सरकार ने केंद्र से मिट्टी का तेल मांगा है। यूपी में डेंगू फैलाने वाले मच्छर एडीज एजिप्टी को मारने के लिए कीटनाशक छिड़कने को केंद्र से 55 हजार लीटर मिट्टी का तेल मांगा गया है। एक लीटर पैराथम कीटनाशक में 19 लीटर मिट्टी का तेल मिलाकर छिड़काव किया जाता है। मिट्टी का तेल न होने के कारण छिड़काव नहीं हो पा रहा था।खाद्य एवं रसद विभाग के विशेष सचिव दिव्य प्रकाश गिरि की ओर से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को पत्र लिखकर 55 हजार लीटर मिट्टी का तेल उपलब्ध कराने की मांग की है।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।